दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 8 अंक 249 | लखनऊ, मंगलवार, 2 अप्रैल , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

भारतवर्ष सौर विद्युत स्थापना मे विश्व का तीसरा सबसे तेज देश

प्रोफ.भरत राज सिह
पर्यावरणविद्
महानिदेशक(तकनीकी)
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
साइंसेज, लखनऊ

एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 26 मार्च 2019 को एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैंपस में स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग द्वारा ग्रीन बिल्डिंग और रेटिंग सिस्टम पर किया गया था जिसमे प्रो ;डॉ॰ भरत राज सिंह जो एक प्रख्यात पर्यावरणविद् है और स्कूल ऑफमैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ मे महानिदेशक ·तकनीकी है मुख्यवक्ता के रूप मे ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न पर्यावरण के खतरनाक प्रभाव को रोकने और इसकी उपचारात्मक कार्यवाई को अपनाने पर बात की । उन्होंने स्पष्ट किया मानव जाति को प्रकृति से सबसे अच्छा संबंध बनाना होगा इसके लिए उनके निवास कार्यालयो व अन्य आश्रयों को ऊर्जा कुशल ग्रीन बिल्डिंग बनाना होगा । उन्होने इस बात पर भी जोर दिया कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में प्रमुख योगदान ट्रांसपोर्ट क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र का ही है जिसमे नई तकनीक के तैयारकर इलेक्ट्रिक हाइड्रोजन और वायु वाहनों के उपयोग को बढाया जाय जिससे लोगों की आवश्यकता को पूर्ण किया जा सकता है और विकास की गति पर भी दुस्प्रभाव नही पडेगा । वही वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करते हुये सौर और पवन ऊर्जा के दोहन हेतु उनके अधिकाधिक स्थापना हेतु पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। रिन्यूएबल एनर्जी में भारत की क्षमता वर्ष 2030 तक 850 गीगावॉट से अधिक होने की संभावना से नकारा नही जा सकता है । वर्तमान में भारतवर्ष विश्व का तीसरा सौर स्थापना का सबसे तेज देश बन चुका है । इसी स्थिति से काम होता रहा तो भारतवर्ष पड़ोसी देशो को भी बिजली की आपूर्ति अंतरराष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से कर सकता है। इस संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो॰ आर॰के॰ खांडल पूर्व कुलपति यूपीटीयू थे तथा गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर आर शंकर भूतपूर्व विभागाध्यक्ष आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग आईआईटी रुड़की और सस्टेनेबल प्लानिंग में तकनीकी विशेषज्ञ और सिटी डेवलपमेंट ने ग्रीन बिल्डिंग थे । देश भर से कई विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में भाग लिया जिन्होने ग्रीन बिल्डिंग्स के बारे में तथा ग्लोबल वार्मिंग से स्वास्थ्य के खतरों और अन्य वैश्विक खतरो से बचने के लिए ऊर्जा के उपयोगकर्ताओं को प्रकृति से कैसे जोड़ा जाए पर विस्तार से चर्चा की । संगोष्ठी के प्रारंभ में श्री सुमित वढेरा संयोजक द्वारा संगोष्ठी के विषयवस्तु पर प्रकाश डाला गया और निदेशक स्कूल ओफ आर्किटेक्ट व प्लानिंग एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ प्रोफ जगबीर सिह के द्वारा अतिथियो का स्वागत किया गया ।